लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

PARLIAMENTARIANS PAY FLORAL TRIBUTES TO DADABHAI NAOROJI/संसद सदस्यों ने दादाभाई नौरोजी को पुष्पांज ल अ र्पत की

…

New Delhi, 4 September 2024: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla paid floral tributes to Dadabhai Naoroji at his portrait in the Central Hall of Samvidhan Sadan on his birth anniversary today.

Deputy Chairman, Rajya Sabha, Shri Harivansh; Members of Parliament; former Members and Secretary-General, Lok Sabha, Shri Utpal Kumar Singh also paid floral tributes to Dadabhai Naoroji.

Dadabhai Naoroji, also known as the 'Grand Old Man of India', was the first British Indian MP elected to the House of Commons (1892). He is widely acclaimed for his 'Drain of Wealth' theory and was one of the first to advocate for Indian Independence.

The portrait of Dadabhai Naoroji was unveiled by the then Speaker of Lok Sabha, Shri G.V. Mavalankar, on 13 March 1954, in the Central Hall of Parliament House (now Samvidhan Sadan).

An exhibition of books by and on Dadabhai Naoroji, available in the Parliament Library, was set up in the Central Hall of Samvidhaan Sadan. Additionally, a booklet featuring Dadabhai Naoroji's profile, published in both Hindi and English by the Lok Sabha Secretariat, was presented to the dignitaries.

नई दिल्ली, 4 सतंबर 2024: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज दादाभाई नौरोजी की जयंती पर सं वधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में उनके चत्र पर पुष्पांज ल अ र्पत की।

राज्य सभा के उप सभापति, श्री हरिवंश; संसद सदस्य; पूर्व सदस्यों और लोक सभा महास चव श्री उत्पल कुमार संह ने भी दादाभाई नौरोजी को पुष्पांज ल अ र्पत की।

दादाभाई नौरोजी, जिन्हें 'भारत के ग्रैंड ओल्ड मैन' के नाम से भी जाना जाता है, हाउस ऑफ कॉमन्स (1892) के लए चुने गए पहले ब्रिटिश भारतीय सांसद थे। उन्हें अपने 'धन की निकासी' सद्धांत के लए व्यापक रूप से प्रशं सत कया गया है और वह भारतीय स्वतंत्रता के अग्रणी समर्थकों में से एक थे।

दादाभाई नौरोजी के चत्र का अनावरण तत्कालीन लोक सभा अध्यक्ष श्री जी.वी. मावलंकर ने 13 मार्च 1954 को संसद भवन (अब सं वधान सदन) के केन्द्रीय कक्ष में कया था।

सं वधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में संसद पुस्तकालय में उपलब्ध दादाभाई नौरोजी की और उन पर लखी पुस्तकों की एक प्रदर्शनी लगाई गई। इसके अतिरिक्त, लोक सभा स चवालय द्वारा हिंदी और अंग्रेजी में प्रका शत दादाभाई नौरोजी की जीवनवृत्त वाली पुस्तिका गण्यमान्य व्यक्तियों को प्रस्तुत की गई।